यूटीयू में एक ही पोर्टल पर मिल रही सभी सुविधाएं: प्रो. ओंकार सिंह

■ डिजिटलीकरण से पारदर्शिता और गुणवत्ता को बढ़ावा मिल रहा, ऑनलाइन हो रहा मूल्यांकन, परीक्षा परिणाम में आई पारदर्शिता

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्व. विद्यालय (यूटीयू) ने हाल ही में अपनी शैक्षणिक और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में डिजिटलीकरण की दिशा में कई महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। इन सुधारों का उद्देश्य विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, गुणवत्ता, और समयबद्धता को बढ़ाना है, ताकि छात्रों, शिक्षकों और अन्य हितधारकों को बेहतर सेवाएं मिल सकें।

यह बात मंगलवार को यूटीयू के कुल. पति प्रो. ओंकार सिंह ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कही। उन्होने कहा कि 2022-23 सत्र से विवि ने अपनी कार्यप्रणालियों को डिजिटलीकरण के तहत एकीकृत किया है। इस पोर्टल के माध्यम से छात्रों का प्रवेश, पंजीकरण, उपस्थिति मॉनिटरिंग, परीक्षा आवेदन, मूल्यांकन, और परीक्षा परिणाम तक सभी प्रक्रियाएं पारदर्शी तरीके से की जा रही हैं। यह पोर्टल वेबसाइट, मोबा. इल ऐप और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए छात्रों और अभिभावकों को उनकी शैक्षणिक यात्रा से संबंधित जानकारी तुरंत उपलब्ध कराता है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय ने एकल खिड़की प्रवेश प्रणाली लागू की है, जिससे छात्रों को प्रवेश से लेकर सभी शैक्षणिक गतिविधियों के लिए एक ही पोर्टल पर सब मिल जाता है।

परीक्षा परिणाम में त्रुटि को त्वरित सुधारा जा रहा

देहरादून। यूटीयू के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने कहा कि कुछ अज्ञात व्यक्तियों की ओर से विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली के बारे में भ्रामक जानकारी फैलाने की को. शिश की जा रही है, विश्वविद्यालय ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि सभी प्रक्रियाएं राज्य सरकार द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों और विश्वविद्यालय के अधिनियम के अनुरूप चल रही हैं, और इसमें किसी प्रकार की अनियमितता नहीं है। किसी भी छात्र के परीक्षा परिणाम में त्रुटि की स्थिति में, विश्वविद्यालय त्वरित सुधारात्मक कदम उठाता है। उदाहरण के लिए, एक छात्र को बैक पेपर का विवरण न मिलने पर उसका परिणाम सुधारते हुए उसे समय पर परीक्षा देने का अवसर प्रदान किया गया।

विस्तृत डिजिटल प्रणाली और भविष्य के प्रयास

देहरादून। यूटीयू के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने बताया कि डिजिटलीकरण की इस प्रक्रिया के माध्यम से विवि ने अपने कार्यों को और अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी बनाया है। अब विवि में कोई भी कार्य जैसे कि प्रश्न पत्रों का निर्माण, मार्कशीट का वितरण, डिग्री प्रिंटिंग, मूल्यांकन, आदि सभी डिजिटल रूप से संचालित होते हैं, जिससे समय और संसाधनों की बचत हो रही है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय ने यह भी निर्णय लिया है कि भविष्य में सभी परीक्षाफल पहले प्रोविजनल रूप में तैयार किए जाएंगे और संबंधित संस्थान के साथ मिलकर उनकी सत्यता जांची जाएगी। अगर कोई त्रुटि मिलती है, तो उसे तुरंत ठीक किया जाएगा